Table of Contents

1. □□□□□□□□□□ □□ □□□□□
2. □□□□□ "□□□□□ □□□□" □□ □□□□□□
3. □□□□□ □□□□□
4. □□□□□□□□ □□□ □□□ □□□□
5. □□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□□□
6. □□□□□□□□□□ □□□□□□ □□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□
7. □□□□□□ □□□□□□
8. □□□□□ □□□□□
9. □□□□□□ □□□□□□
10. □□□□□□□□

□□□□□□□□□□ □□ □□□□□



मिथिलेश्वर का जन्म 31 दिसंबर 1950 को बिहार के भोजपुर जिले के बैसाडीह गाँव में हुआ। इन्होंने हिंदी में एम.ए. और पीएच.डी . की उपाधि कार्य को अपना व्यवसाय बनाया। वर्तमान में वे आरा के विश्वविद्यालय में रीडर के पद पर कार्यरत हैं।

मिथिलेश्वर की कहानियाँ ग्रामीण जीवन के यथार्थ चित्रण के लिए प्रसिद्ध हैं। वे आज़ादी के बाद के ग्रामीण जीवन के जटिल और भयावह पक् लेखन में ग्रामीण समाज के अंतर्विरोधों और शोषण के नए रूपों को दर्शाया गया है।

उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं — कहानी संग्रह : बाबूजी , मेघना का निर्णय , हरिहर काका , चल खुसरो घर आपने ; उपन्यास : झुनिया , युद्धस्थल , प्रेम उन्हें सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार सहित कई सम्मान प्राप्त हुए हैं।

कहानी "हरिहर काका" का सारांश

यह कहानी हरिहर काका नामक एक वृद्ध किसान की जी□न संघर्ष और सामाजिक परिस्थितियों का यथार्थ चित्रण है। हरिहर काका अपने भाइयों के सा
हैं , लेकिन उनकी कोई संतान नहीं है। उनकी जायदाद को लेकर परिवार में विवाद उत्पन्न होता है।

ठाकुरबारी नामक धार्मिक स्थल और उसके महंत की भूमिका कहानी में महत्□पूर्ण है। महंत हरिहर काका को अपनी जायदाद ठाकुरजी के नाम लिखने
जिससे काका का जी□न और भी जटिल हो जाता है।

कहानी में दिखाया गया है कि कैसे परिवार के सदस्य और धार्मिक संस्थान मिलकर हरिहर काका के अधिकारों का हनन करते हैं। अंततः काका को ज
उनके साथ अत्याचार होते हैं।

कहानी ग्रामीण जी□न की सामाजिक , आर्थिक और धार्मिक समस्याओं को उजागर करती है और व्यक्ति के संघर्ष को दर्शाती है।

पात्र परिचय

- हरिहर काका : कहानी के मुख्य पात्र , वृद्ध किसान , जिनकी कोई संतान नहीं है। वे अपने भाइयों के साथ रहते हैं लेकिन जायदाद को लेकर □
- महंत जी : ठाकुरबारी के प्रमुख साधु , जो हरिहर काका को अपनी जायदाद ठाकुरजी के नाम लिखने के लिए दबा□ डालते हैं।
- हरिहर काका के भाई : चार भाई , जिनमें से तीन के परिवार हैं , जो हरिहर काका की जायदाद पर कब्जा करना चाहते हैं।
- पुलिस और गाँ□ के लोग : कहानी में विभिन्न सामाजिक प्रतिक्रियाएँ और घटनाएँ इनके माध्यम से प्रस्तुत हैं।

केंद्रीय भा□ एवं विषय

Prepzy

कहानी का मुख्य विषय ग्रामीण जी□न में सामाजिक अन्याय , परिवारिक विवाद , धार्मिक संस्थानों का दुरुपयोग और व्यक्ति की असहायता है।

यह कहानी दिखाती है कि कैसे सामाजिक और धार्मिक दबा□ व्यक्ति के अधिकारों को छीन लेते हैं और उसे अकेला छोड़ देते हैं।

कहानी में परिवार , जायदाद , धार्मिक आडंबर , और सत्ता के दुरुपयोग जैसे विषय प्रमुख हैं।

साहित्यिक अलंकार एवं काव्य सौंदर्य

कहानी में यथार्थवाद की शैली प्रमुख है। लेखक ने ग्रामीण जी□न के चित्रण में प्रतीकात्मकता और रूपकों का प्रयोग किया है।

"ठाकुरबारी" एक प्रतीक है जो धार्मिक आडंबर और सामाजिक सत्ता का प्रतिनिधित्□ करता है।

लेखक ने संवाद और □र्णन के माध्यम से पात्रों की मनोस्थिति को प्रभा□शाली ढंग से प्रस्तुत किया है।

महत्□पूर्ण उद्धरण एवं पंक्तियों की व्याख्या

- "आँखें ही बहुत कुछ कह देती हैं , मुँह खोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती।" - यह पंक्ति हरिहर काका की मानसिक पीड़ा और असहायता को दर्शा □
- "ठाकुरबारी में प्रवेश करते ही वे पवित्र हो जाते हैं।" - यह धार्मिक आडंबर और लोगों की आस्था का प्रतीक है।
- "मैं अनाथ और बेसहारा नहीं हूँ।" - हरिहर काका की आत्मसम्मान की भा□ना और संघर्ष को दर्शाता है।
- "ईश्□र के सिवाय कोई तुम्हारा अपना नहीं।" - महंत जी की यह बात व्यक्ति के अकेलेपन और सामाजिक संबंधों की निष्ठा पर प्रश्न उठाती

अभ्यास प्रश्न

स्तर 1 – सरल

- हरिहर काका कौन थे और उनकी स्थिति क्या थी?
- ठाकुरबारी का गाँव में क्या महत्व है?
- मिथिलेश्वर ने अपनी कहानियों में किस विषय को प्रमुखता दी है?

स्तर 2 – मध्यम

- महंत जी ने हरिहर काका को अपनी जायदाद ठाकुरजी के नाम लिखने के लिए क्यों कहा?
- कहानी में परिवार और धार्मिक संस्थान कैसे हरिहर काका के खिलाफ़ हो जाते हैं?
- ठाकुरबारी का सामाजिक और धार्मिक प्रभाव कहानी में कैसे दिखाया गया है?

स्तर 3 – कठिन

- कहानी "हरिहर काका" में सामाजिक अन्याय और धार्मिक आडंबर का विश्लेषण करें।
- हरिहर काका के संघर्ष से हमें क्या सामाजिक संदेश मिलता है?
- लेखक ने ग्रामीण जीवन की जटिलताओं को कैसे प्रस्तुत किया है?

उत्तर कुंजी

स्तर 1 – सरल

- हरिहर काका: वे एक वृद्ध किसान थे जिनकी कोई संतान नहीं थी और जो अपने भाइयों के साथ रहते थे। उनकी स्थिति जायदाद को लेकर विवादित
- ठाकुरबारी का महत्व: यह गाँव का धार्मिक केंद्र है जहाँ लोग पूजा करते हैं और सामाजिक गतिविधियाँ होती हैं।
- मिथिलेश्वर का विषय: वे ग्रामीण जीवन के यथार्थ और सामाजिक अंतर्विरोधों को प्रमुखता देते हैं।

स्तर 2 – मध्यम

- महंत जी चाहते थे कि हरिहर काका अपनी जायदाद ठाकुरजी के नाम लिख दें ताकि ठाकुरबारी का विस्तार हो और उनका धार्मिक प्रभाव बढ़े।
- परिवार के सदस्य और धार्मिक संस्थान मिलकर हरिहर काका के अधिकारों का हनन करते हैं और उन्हें दबाव में रखते हैं।
- ठाकुरबारी गाँव में धार्मिक और सामाजिक शक्ति का केंद्र है, जो लोगों के जीवन को प्रभावित करता है।

स्तर 3 – कठिन

- कहानी में दिखाया गया है कि कैसे सामाजिक अन्याय और धार्मिक आडंबर व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करते हैं और उसे असहाय बना देते
- हरिहर काका का संघर्ष सामाजिक अन्याय के खिलाफ़ एक प्रतीक है जो हमें न्याय और समानता की आवश्यकता का संदेश देता है।
- लेखक ने ग्रामीण जीवन की जटिलताओं को यथार्थवादी और संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत किया है, जिसमें सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक पह

त्वरित संदर्भ

- मिथिलेश्वर: हिंदी के प्रसिद्ध कहानीकार और उपन्यासकार।
- हरिहर काका: कहानी के मुख्य पात्र, वृद्ध किसान।
- ठाकुरबारी: गाँव का धार्मिक स्थल।
- महंत: धार्मिक संस्था का प्रमुख।
- जायदाद: संपत्ति, भूमि।
- सामाजिक अन्याय: समाज में असमानता और अन्याय।

Prepzy



शब्दावली

- ठाकुरबारी : गाँव का प्रमुख मंदिर और धार्मिक स्थल।
- महंत : धार्मिक संस्था का प्रमुख या साधु।
- जायदाद : संपत्ति, खासकर भूमि।
- अँगूठे के निशान : दस्तखत के लिए अंगूठे का छाप।
- भक्ति-भावना : ईश्वर के प्रति श्रद्धा और प्रेम।
- धार्मिक आडंबर : दिखावा या झूठी धार्मिकता।
- सामाजिक अंतर्विरोध : समाज में विरोधाभासी स्थितियाँ।

